

Chitkara University with Yuvsatta, (Youth For Peace) NGO

Yuvsatta (youth for peace) in support of Chitkara University and in close coordination with 'Girls Parliament of schools of the city', CCPCR-Chandigarh Commission for Protection of Child Rights and Piccadily Square, organized a unique two days long 'Close the Gap Exhibition of 500 cloth paintings on Girls Rights', by students of 25 prominent Government & Private Schools of the city, on November 10-11, 2023, at Piccadily Square, Sector 34-A, Chandigarh. With the aforesaid in view, Dr Sangeeta Pant, Dean, CCE presided over the inaugural function of the endeavour which was also shared in the press release. The event was a powerful reminder of the importance of empowering girls and ensuring equal opportunities. We are proud to be contributing to a noble cause.



  

~MESSAGE~

"Promoting girl's rights is not just a moral imperative; it is a key driver of progress towards a more equitable and sustainable world. In alignment with the United Nations' Sustainable Development Goal 5, which aims to achieve gender equality and empower all women and girls, I believe we must prioritize the inclusion and advancement of girls. Not to mention, the National Education Policy (NEP) also plays a pivotal role in this journey, emphasizing equal access to quality education. By safeguarding and promoting the rights of girls, we are nurturing future leaders, innovators, and change-makers who will shape a brighter, more inclusive future for all, in line with the global commitment to leave no one behind."



Dr. Madhu Chitkara
Pro Chancellor,
Chitkara University, Punjab &
Chitkara University, Himachal Pradesh.

   

**SDG 5 COMPATIBLE
CHANDIGARH 2030**



Invite

Inauguration of two days
'Close The Gap Exhibition on Girls Rights',
by 500 students of 'Girls Parliaments' in Chandigarh's School's

Date: Friday, November 10, 2023
Time: 11.30 am
Venue: Piccadily Square, Sector 34 A, Chandigarh.

Prominent participants;
Ms. Shipra Bansal, Chairperson, Chandigarh Commission for Protection of Child Rights
Mrs. Jaishree Sharma, Chairperson, Piccadily Square & Philanthropist
Dr. Nisha Bhargava, Principal, Mehr Chand Mahajan DAV College for Women
Prof. Monica M. Singh, Member, Chandigarh Commission for Protection of Child Rights
Dr. Sangeeta Pant, Dean, Chitkara University, Punjab
Mrs. Monica Chawla, Principal, St. Joseph's Sr. Sec. School, Chandigarh
Mr. Pramod Sharma, Founder, Yuvsatta (youth for peace)

  

   

SDG 5 COMPATIBLE CHANDIGARH 2030



धनतेरस पर क्लॉथ पेंटिंग की 'क्लोज़ दि गैप' प्रदर्शनी आयोजित

चंडीगढ़, 10 नवम्बर (विशेष संवाददाता): शहर की स्वयंसेवी संस्था युवसत्ता, सीसीपीसीआर, सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चित्तकारा यूनिवर्सिटी की ओर से शुक्रवार को पिकाडिली स्क्रायर, सेक्टर-34 में धनतेरस पर रूमालों पर क्लॉथ पेंटिंग की 'क्लोज़ दि गैप' प्रदर्शनी आयोजित की गई। इसमें शहर के 25 प्रमुख स्कूलों की गर्लज पार्लियामेंट छात्राओं द्वारा बनाई गई 500 कपड़ों की पेंटिंग प्रदर्शित की गई है। प्रदर्शनी के उद्घाटन के मौके पर उपस्थित प्रमुख लोगों में चंडीगढ़ कमिशन आफ प्रोटेक्शन आफ चाइल्ड राइट्स (सीसीपीसीआर) की चेयरपर्सन शिप्रा बंसल, पिकाडिली स्क्रायर की चेयरपर्सन जयश्री शर्मा, चित्तकारा यूनिवर्सिटी की डीन डॉ. संगीता पंत, सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल मोनिका चावला, सेंटर फॉर सोशल वर्क, पंजाब यूनिवर्सिटी की प्रो.मोनिा मुनिवाल सिंह, चंडीगढ़ के पूर्व डीपीआई (स्कूल्स) एसके सेतिया और युवसत्ता (यूथ फॉर पीस) के संस्थापक प्रमोद शर्मा शामिल थे। अपने स्वागत भाषण में प्रमोद शर्मा ने कहा कि धनतेरस पर लोगों



शहर के 25 प्रमुख स्कूलों की गर्लज पार्लियामेंट छात्राओं द्वारा बनाई 500 क्लॉथ पेंटिंग को देखते हुए लोग। (छाया : कमलजीत सिंह)

को सबसे पहले घरों और राष्ट्र की वास्तविक संपत्ति यानी हमारी लड़कियों और महिलाओं के मूल्य का एहसास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि

शहर के 25 प्रमुख स्कूलों की गर्लज पार्लियामेंट छात्राओं की 500 क्लॉथ पेंटिंग प्रदर्शित

कोई भी घर खुशहाल नहीं रह सकता या कोई भी देश अपनी 50 प्रतिशत महिला क्षमता को उनकी पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए समान अवसर दिए बिना प्रगति नहीं कर सकता। लड़कियों के अधिकारों पर

सम्मान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लड़कियों के अधिकारों को बढ़ावा देना सिर्फ एक नैतिक अनिवार्यता नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 5 के अनुरूप, जिसका उद्देश्य लैंगिक

समानता हासिल करना और सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना है।

जयश्री शर्मा ने कहा कि लड़कियों के अधिकारों की रक्षा और प्रचार करके हम भविष्य के नेताओं, इनोवेटर्स और चेंज मेकर्स को तैयार कर रहे हैं जो सभी के लिए एक उज्ज्वल, अधिक समावेशी भविष्य को आकार देंगे और किसी को भी पीछे न छोड़ने की वैश्विक प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

मोनिा चावला ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में इस बात पर जोर दिया कि हमारा मिशन प्रत्येक लड़की के अंदर जिज्ञासा और आत्म-खोज को जगाना है। उन्होंने कहा कि हम हर लड़की की उज्ज्वल क्षमता को उजागर करने के लिए बाधाओं और शंकाओं को दूर करने की इस प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम उन 25 लड़कियों के सम्मान के साथ समाप्त हुआ जिनकी पेंटिंग को शीर्ष 25 में सर्वश्रेष्ठ चुना गया था। सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल के लगभग 100 छात्र लड़कियों और महिला अधिकारों के प्रति एकजुटता दिखाते हुए इस अवसर पर गुलाबी पगड़ी और गुलाबी स्टॉल पहनकर शामिल हुए।

अजीत समाचार

11-Nov-2023
Page: 5

उत्तर भारत का सम्पूर्ण अखबार
http://www.ajitsamachar.com/20231111/14/5/1_1.cms

धनतेरस पर पिकाडिली स्क्रायर में आयोजित हुई क्लॉथ पेंटिंग की 'क्लोज़ दि गैप' प्रदर्शनी

'गर्लज पार्लियामेंट' छात्राओं की 500 क्लॉथ पेंटिंग की गई प्रदर्शित

अनुभव

चंडीगढ़। शहर की स्वयंसेवी संस्था युवसत्ता, सीसीपीसीआर, सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चित्तकारा यूनिवर्सिटी की ओर से शुक्रवार को पिकाडिली स्क्रायर, सेक्टर-34 में धनतेरस पर रूमालों पर क्लॉथ पेंटिंग की 'क्लोज़ दि गैप' प्रदर्शनी आयोजित की गई। इसमें शहर के 25 प्रमुख स्कूलों की 'गर्लज पार्लियामेंट' छात्राओं द्वारा बनाई गई 500 कपड़ों की पेंटिंग प्रदर्शित की गई है।

प्रदर्शनी के उद्घाटन के मौके पर उपस्थित प्रमुख लोगों में चंडीगढ़ कमिशन आफ प्रोटेक्शन आफ चाइल्ड राइट्स (सीसीपीसीआर) की चेयरपर्सन शिप्रा बंसल, पिकाडिली स्क्रायर की चेयरपर्सन जयश्री शर्मा, चित्तकारा यूनिवर्सिटी की डीन डॉ. संगीता पंत, सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल मोनिका चावला, सेंटर फॉर सोशल वर्क, पंजाब यूनिवर्सिटी की प्रो.मोनिा मुनिवाल सिंह, चंडीगढ़ के पूर्व डीपीआई (स्कूल्स) एसके सेतिया और युवसत्ता (यूथ फॉर पीस) के संस्थापक प्रमोद शर्मा शामिल थे।

अपने स्वागत भाषण में प्रमोद शर्मा ने कहा कि धनतेरस पर लोगों को सबसे पहले घरों और राष्ट्र की वास्तविक संपत्ति यानी हमारी लड़कियों और महिलाओं के मूल्य का



एहसास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी घर खुशहाल नहीं रह सकता या कोई भी देश अपनी 50% महिला क्षमता को उनकी पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए समान अवसर दिए बिना प्रगति नहीं कर सकता। लड़कियों के अधिकारों पर 'क्लोज़ दि गैप' प्रदर्शनी की पहल की सराहना करते हुए शिप्रा बंसल ने कहा कि वे सीसीपीसीआर में शहर की सभी लड़कियों के अधिकारों और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लड़कियों के अधिकारों को बढ़ावा देना सिर्फ एक नैतिक अनिवार्यता नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 5 के अनुरूप, जिसका उद्देश्य लैंगिक समानता हासिल करना और सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना है।

जयश्री शर्मा ने कहा कि लड़कियों के अधिकारों की रक्षा और प्रचार करके हम भविष्य के नेताओं, इनोवेटर्स और

चेंज मेकर्स को तैयार कर रहे हैं जो सभी के लिए एक उज्ज्वल, अधिक समावेशी भविष्य को आकार देंगे और किसी को भी पीछे न छोड़ने की वैश्विक प्रतिबद्धता के अनुरूप है। मोनिा चावला ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में इस बात पर जोर दिया कि हमारा मिशन प्रत्येक लड़की के अंदर जिज्ञासा और आत्म-खोज को जगाना है। उन्होंने कहा कि हम हर लड़की की उज्ज्वल क्षमता को उजागर करने के लिए बाधाओं और शंकाओं को दूर करने की इस प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कार्यक्रम उन 25 लड़कियों के सम्मान के साथ समाप्त हुआ जिनकी पेंटिंग को शीर्ष 25 में सर्वश्रेष्ठ चुना गया था। सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल के लगभग 100 छात्र लड़कियों और महिला अधिकारों के प्रति एकजुटता दिखाते हुए इस अवसर पर गुलाबी पगड़ी और गुलाबी स्टॉल पहनकर शामिल हुए।